

Saroj
Ruhanikaa
VOL-4





1004



1005



1006



1001



1002



सत्यं सत्यमेश्वरो लोके सत्यं धर्मः सदाशितः ।
सत्यमूलनिः सर्वाणि सत्याप्राप्तिः परं पदम् ।

Saroj



1001



1002



1003



1004



1005



1006